प्रतिबिम्ब

A Monthly Newsletter of Rana Pratap PG College Sultanpur

वर्ष - 01 अंक - 01 नवम्बर 2023 (दीपावली)

RANA PRATAP POST GRADUATE COLLEGE SULTANPUR

CIVIL LINES-1, SULTANPUR-228001 (U.P.)

(Affiliated : Dr. Ram Manohar Lohiya Avadh University, Ayodhya)

www.rppgcollege.ac.in

संरक्षक

एडवोकेट संजय सिंह (अध्यक्ष)
एडवोकेट बालचंद्र सिंह (प्रबंधक)
प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी (प्राचार्य)

प्रधान सम्पादक

ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह 'रवि'
(असिस्टेंट प्रोफेसर हिन्दी)

सह सम्पादक

डॉ.महमूद आलम (विभागाध्यक्ष उर्दू)
डॉ.मंजू ठाकुर
(असिस्टेंट प्रोफेसर राजनीति शास्त्र)
प्रमोद श्रीवास्तव (प्रभारी कम्प्यूटर सेंटर)

प्रतिनिधि

डॉ. संतोष कुमार सिंह अंश (शिक्षा संकाय)
चौरसिया गोरखनाथ (विज्ञान संकाय)
डॉ.ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह (कला संकाय)
यशस्वी प्रताप सिंह (वाणिज्य संकाय)

शुभकामना संदेश

राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय सुलतानपुर लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। महाविद्यालय में कक्षा शिक्षण के साथ साथ अनेक तरह के बौद्धिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम होते ही रहते हैं। ऐसे में महाविद्यालय से मासिक समाचार पत्र का निकलना निश्चित रूप से एक बेहतरीन कदम है। 'प्रतिबिम्ब' के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों व महाविद्यालय परिवार का बौद्धिक, नैतिक और आत्मिक विकास होगा ऐसा विश्वास है।
इस नई शुरुआत के लिये सम्पादकीय टीम को हार्दिक शुभकामनाएं ।

संजय सिंह एडवोकेट , अध्यक्ष
क्षत्रिय शिक्षा समिति प्रबंध समिति /
राणा प्रताप पीजी कालेज, सुलतानपुर

रचनायें / विचार/ समाचार / फोटो आदि भेजने का पता -

rppgcollegenewsletter@gmail.com

• लिखित सामग्री यूनीकोड या मंगल फांट में ही टाइप कर के भेजें। लिखित सामग्री फोटो, जेपीजी, पीडीएफ आदि में स्वीकार नहीं की जायेगी।

• News Letter के सम्बन्ध में किसी भी जानकारी / समस्या / सुझाव आदि के लिए अपने संकाय प्रतिनिधि से सम्पर्क कर सकते हैं।

शुभकामना संदेश

राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय विद्यार्थियों के भीतर मानवीय मूल्य ,राष्ट्रीय चेतना व दायित्व बोध विकसित करने हेतु पिछले बावन वर्षों से प्रयत्नशील

है। विद्यार्थियों को ज्ञान की नवीन खोजों से जोड़ने में हम लगातार सक्रिय रहते हैं। ऐसे में मासिक समाचार पत्र ' प्रतिबिम्ब ' के रूप में महाविद्यालय का नया कदम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में सहायक सिद्ध होगा ।

न्यूज़ लेटर से जुड़ी सम्पादकीय टीम को हार्दिक शुभकामनाएं।

बालचंद्र सिंह एडवोकेट प्रबंधक
राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
सुलतानपुर

Principal’s Message

Dear students, parents and well wishers

I am extremely happy to launch our college's monthly newsletter 'Pratibimba'. The first issue of the newsletter is being dedicated to all of you on the auspicious occasion of Deepawali, reflecting the academic activities, achievements, research and innovations, collaborations and alumni contributions of October-2023. I have full faith and confidence that '**Pratibimba**' will provide a multidimensional forum for all stakeholders to create and share information regarding college activities.

We always appreciate your feedback regarding the improvement of utility and interactivity of the upcoming newsletter issue.

Warm regards,
Dr.Dinesh Kumar Tripathi
Principal and Professor

शुभकामना संदेश

राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय अपने स्थापना काल से ही विद्यार्थियों को विषय बोध के साथ साथ जीवन बोध कराता आ रहा है। अपनी गुणवत्ता में निरंतर सुधार करते हुए संस्थान ने कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उम्मीद है कि मासिक समाचार पत्र 'प्रतिबिम्ब' महाविद्यालय की गुणवत्ता में और अधिक वृद्धि करेगा। इसकी कार्ययोजना से जुड़ी पूरी टीम को हार्दिक बधाई ।

इन्द्रमणि कुमार
निदेशक
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)
राणा प्रताप पीजी कालेज सुलतानपुर

सम्पादकीय

डिजिटलीकरण के इस दौर में जब सोशल मीडिया एक सशक्त हथियार बन चुकी है तब विचारवान लोगों का यह दायित्व है कि इस माध्यम का उपयोग कर उत्तम समाज के निर्माण और सकारात्मक बदलाव में अपनी अग्रणी भूमिका निभायें। इसी सोच के साथ राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय डिजिटल प्लेटफार्म पर अपना मासिक समाचार पत्र 'प्रतिबिम्ब' प्रारम्भ कर रहा है।

प्रतिबिम्ब में हर महीने हमें महाविद्यालय परिसर में होने वाली गतिविधियों के साथ ही शिक्षकों , विद्यार्थियों व कर्मचारियों की उपलब्धियों और विचारों की एक झलक मिलेगी ।

दीपावली के शुभ अवसर पर प्रतिबिम्ब का पहला अंक प्रस्तुत होना इस बात का संकेत है कि हम धीरे-धीरे अपने मन मस्तिष्क को आलोकित कर स्वयं प्रज्ञावान होंगें तथा अपने महाविद्यालय को श्रेष्ठतम बनाने में सहभागी बनेंगे। विश्वास है कि आप सबके सहयोग से प्रतिबिम्ब केवल महाविद्यालय की गतिविधियों का संकलन मात्र ही नहीं बल्कि विद्यार्थियों , शिक्षकों व कर्मचारियों की रचनात्मकता के प्रकटीकरण का माध्यम भी बनेगा ।

हम इसे और अधिक बेहतर बना सकें इस हेतु आप सभी के सुझावों,विचारों व मार्गदर्शन की प्रतीक्षा रहेगी।

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ ...

आपका अपना -

رانا پرتاپ پی. جی. کالج - نظریہ اور مقصد

علم کا اصل زیور علم کی طاقت، قومی وقار و خود اعتمادی، شائشتگی اور احساس فرض ہے۔
ان الفاظ کے ساتھ ہم آہنگی کرتے ہوئے کالج خود کو ایک ایسی منزل کے طور پر دیکھنا چاہتا ہے جہاں طلباء اپنے مستقبل کو امید اور اعتماد کے ساتھ گلے لگا سکیں۔
مقاصد جن کے حصول کی خاطر کالج مسلسل کوشاں ہے۔
ایک جامع تعلیمی و تدریسی ماحول کو * برقرار رکھنا۔
انسانی قدروں کو شامل کرنا اور طلباء کو * قومی و عالمی سطح پر ذمےدار شہری بننے کے قابل بنانا۔
ہم نصابی اور غیر نصابی سرگرمیوں کے * ذریعہ طلباء کی ہمہ جہت ترقی کی حوصلہ افزائی کرنا۔
معلومات اور مہارت پر مبنی علم فراہم کرنا * اور روایت و جدیدیت کے ساتھ پیشہ ورانہ انداز سے ہم آہنگ کرنا۔
سماجی بیداری، حساسیت، ردعمل، ذمے * داری اور جواب دہی کو فروغ دینا۔
پائیدار مستقبل کے لئے ماحولیات کے تحفظ * کی حوصلہ افزائی کرنا۔

ڈاکٹر محمود عالم خان
اسسٹنٹ پروفیسر، شعبہ اردو

News & Events

शत प्रतिशत रहा ओ लेवल का परीक्षा परिणाम

कम्प्यूटर सेन्टर की सफलता

सुलतानपुर। राणा प्रताप पीजी कालेज में संचालित ओ लेवल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। कम्प्यूटर शिक्षक प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि महाविद्यालय में पिछले वर्ष ही ओ लेवल पाठ्यक्रम शुरू हुआ है। जुलाई में हुई परीक्षा का परिणाम गुरुवार को आया । जिसमें सभी विद्यार्थी अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुए हैं। प्रबंधक बालचंद सिंह एडवोकेट, प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी, कम्प्यूटर शिक्षक सुरभि श्रीवास्तव समेत महाविद्यालय परिवार ने प्रसन्नता जताते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

संस्कृत अंत्याक्षरी प्रतियोगिता में गार्गी समूह रहा विजयी

संस्कृत विभाग का आयोजन

सुलतानपुर। राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा मंगलवार को संस्कृत अंत्याक्षरी व श्लोक वाचन प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें गार्गी समूह ने अपने प्रतिद्वंद्वी भारती समूह को रोमांचक मुकाबले में पराजित कर विजय प्राप्त की। प्रतियोगिता निर्णायक मंडल में संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ.अमित तिवारी , असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. यशमन्त सिंह,डॉ.नीतू सिंह व डॉ.वीना सिंह शामिल रहे। प्रतियोगियों द्वारा किये गये संस्कृत के सुभाषितों के शुद्ध उच्चारण सहित सस्वर गायन ने श्रोताओं को मन्त्रमुग्ध कर दिया। अंत्याक्षरी प्रतियोगिता में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के सभी छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया । जिसमें अनुराधा,शकील,आँचल, उत्कृष्ट, राम विशाल, रिशु,जया,प्रीति आस्था,अंतिमा, सोनम आदि प्रमुख रहे।

वाद विवाद में प्रथम रहे राम विशाल पाण्डेय

समाजशास्त्र विभाग का आयोजन

राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग ने अंतरराष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षक एवं शिक्षार्थी का सम्बन्ध' विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में बीए प्रथम सेमेस्टर के छात्र राम विशाल पाण्डेय प्रथम रहे। बीए प्रथम सेमेस्टर की आस्था वर्मा द्वितीय तथा बीए प्रथम सेमेस्टर के पिंटू मौर्या तृतीय स्थान पर रहे।

कालेज में एड्स जागरुकता अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना का आयोजन

राणा प्रताप पीजी कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय एड्स व क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम के सहयोग से एड्स जागरुकता अभियान चलाया। कालेज परिसर में कार्यक्रमाधिकारी डॉनीतू सिंह., डॉ हीरालाल यादव., डॉप्रभात श्रीवास्तव व राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन . कार्यक्रम के कार्यकर्ताओं ने विद्यार्थियोंको एड्स रोग और इसके बचाव के बारे में जानकारी दी ।

News & Events

जिला स्तरीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में प्रस्तुत हुये पचास प्रोजेक्ट

विज्ञान संकाय का आयोजन

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का जनपद स्तरीय कार्यक्रम राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सम्पन्न हुआ। जिसमें 'स्वास्थ्य और कल्याण के लिए परितंत्र को समझना' विषय पर लगभग बीस स्कूलों के पचास से अधिक प्रोजेक्ट प्रस्तुत हुए। मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य डॉ एस बी सिंह ने दीप प्रज्वलित कर समारोह की शुरुआत की। स्वागत प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी संचालन डॉ प्रीति प्रकाश व आभार ज्ञापन संयोजक करूणवीर सिंह ने किया।

एम ए संस्कृत व हिंदी की मिड टर्म परीक्षा सम्पन्न

परीक्षा विभाग का आयोजन

राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एम ए हिन्दी व संस्कृत विषय के प्रथम व तृतीय सेमेस्टर की मिडटर्म परीक्षा सम्पन्न हुई। यह जानकारी देते हुए परीक्षा नियंत्रक डॉ धीरेन्द्र कुमार ने बताया कि दो दिन चली.इस परीक्षा में हर दिन दो प्रश्नपत्र की परीक्षा हुई । प्रथम पाली की परीक्षा सुबह दस बजे से सवा ग्यारह बजे तक व द्वितीय पाली की परीक्षा दोपहर बारह बजे से सवा एक बजे तक सम्पन्न हुई।

स्नातक की मिड टर्म परीक्षा सम्पन्न

परीक्षा विभाग का आयोजन

राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्नातक कला विज्ञान व वाणिज्य विषयों के प्रथम व तृतीय सेमेस्टर की मिडटर्म परीक्षा गुरुवार को सम्पन्न हुई। यह जानकारी देते हुए परीक्षा नियंत्रक डॉ.धीरेन्द्र कुमार ने बताया कि पांच दिन चली इस परीक्षा में हर दिन तीन प्रश्नपत्र की परीक्षा हुई । बीए में लगभग तीन हजार बीएससी व बीकाम में लगभग तीन सौ विद्यार्थियों ने परीक्षा दी।

बी एड विद्यार्थियों का विदाई समारोह संपन्न

शिक्षा संकाय का आयोजन

राणा प्रताप पी जी कॉलेज के बीएड विभाग ने बी एड फ़ाइनल के विद्यार्थियों हेतु विदाई समारोह का आयोजन किया। महाविद्यालय के नवनियुक्त प्रबंधक बालचंद्र सिंह, पूर्व प्राचार्य प्रो एम पी सिंह विसेन, उप प्राचार्या प्रो निशा सिंह, बीएड विभागाध्यक्ष डॉ भारती सिंह, डॉ कल्पना सिंह, शांतिलता कुमारी, डॉ संतोष अंश, डॉ सीमा सिंह, ने माँ सरस्वती और राणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम की शुरुआत की।

Seminar

परास्नातक अभिविन्यास कार्यक्रम

हिन्दी विभाग का आयोजन

विद्यार्थी अगर जिज्ञासु और कक्षा में नियमित नहीं है तो शिक्षक कुछ नहीं कर सकता। यह बातें राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी ने कहीं। वह हिंदी विभाग द्वारा आयोजित परास्नातक अभिविन्यास कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे

प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत की देन हैं पृथ्वी के स्थलरुप

भूगोल विभाग का आयोजन

पृथ्वी की सतह पर निर्मित होने वाले स्थलरुप प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत की देन हैं। यह बातें राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भूगोल विभागाध्यक्ष डॉआलोक कुमार ने . कहीं। वह महाविद्यालय में भूगोल विभाग द्वारा प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत विषय पर बीए प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए आयोजित सेमिनार को बतौर मुख्य वक्ता सम्बोधित कर रहे थे।

कौशल विकास हेतु राष्ट्रीय क्रेडिट संरचना महत्वपूर्ण

आनलाइन व्याख्यान

'कौशल विकास की नई संभावनाएं पैदा करने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की राष्ट्रीय क्रेडिट संरचना महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। यह बातें राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद के अध्यक्ष सेवानिवृत्त आईएएस डॉनिर्मलजीत सिंह कलसी ने . कहीं। राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पुस्तकालय कक्ष में बड़े पर्दे पर शिक्षकों ने यह व्याख्यान सुना ।

रक्षा अध्ययन में रोजगार के नये मौके

रक्षा अध्ययन विभाग का आयोजन

एक विषय के रूप में रक्षा अध्ययन में भूराजनीति-, सैन्य भूगोल, रक्षा, अर्थशास्त्र और परमाणु नीतियों का अध्ययन शामिल होता है।' यह बातें राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभागाध्यक्ष डॉ हीरालाल यादव ने कहीं।

Seminar

नई शिक्षा नीति का लक्ष्य भारत को विश्वगुरु बनाना

शिक्षा संकाय का आयोजन

शिक्षा तभी सफल होगी जब लोगों के मस्तिष्क के साथ ही उनके हृदय का परिवर्तन भी करे । यह तभी सम्भव है जब शिक्षा राष्ट्रीय संस्कृति और स्वाभिमान से जुड़े। इसी सोच के साथ देश में नई शिक्षा नीति 2020 लागू की गई है। जिसका लक्ष्य भारत को विश्वगुरु बनाना है।' यह बातें बीएचयू के पूर्व कुलपति प्रोफेसर गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने अंतर्राष्टीय शिक्षक दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में कहीं।

मानसिक रूप से स्वस्थ रखती है भारतीय संस्कृति

मनोविज्ञान विभाग का आयोजन

भारत की सांस्कृतिक परम्परायें हमें मानसिक रूप से अस्वस्थ नहीं होने देतीं। यहां की सनातन परम्परा अपनाकर हम मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं।' यह बातें राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉप्रदीप कुमार सिंह ने कहीं।. वह विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित विद्यार्थी संगोष्ठी को बतौर मुख्य वक्ता सम्बोधित कर रहे थे।

महात्मा गांधी ने जनता को आत्मनिर्भर और निडर बनाया

गांधी व शास्त्री जयंती पर आयोजन

महात्मा गांधी ने भारतीय जनता को आत्मनिर्भर और निडर बनाया था । गांधी के समाज सुधार और रचनात्मक कार्यक्रमों के कारण देश की जनता उनके आंदोलन से जुडी।' यह बातें महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती समारोह को बतौर मुख्य वक्ता सम्बोधित करते हुए असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.आलोक कुमार पाण्डेय ने कहीं।

क्विज ज्ञान, योग्यता और कौशल में वृद्धि को मापने के लिए किया जाता है।

शिक्षाशास्त्र विभाग का आयोजन

शिक्षाशास्त्र विभाग में प्रश्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ शिल्पी सिंह ने बताया कि प्रश्नोत्तरी किसी विषय की व्यापक या विशिष्ट समझ हासिल करने में मदद करती है । क्विज़ का उद्देश्य सामान्य ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ मनोरंजक शिक्षण विधियों को प्रोत्साहित करना है।

ब्रह्मांड को समझने में सहायक हैं तारे

भौतिक विज्ञान विभाग का आयोजन

तारे आकाशगंगा के मूलभूत निर्माण इकाई को दर्शाते हैं । इससे ब्रह्माण्ड को समझने में सहायता मिलती है। तारों की उत्पत्ति और मृत्यु दोनों ही एक निर्धारित प्रक्रिया के तहत होता है। ' यह बातें के एन आई के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर गुनराज प्रसाद ने कहीं। वह राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के संगोष्ठी कक्ष में बाबू धनंजय सिंह स्मृति व्याख्यानमाला को बतौर मुख्य वक्ता सम्बोधित कर रहे थे।

विश्वगुरु बनने के लिए अपनाना होगा विवेकानंद का राष्ट्रवाद

राजनीति विज्ञान विभाग का आयोजन

विश्वगुरु बनने के लिए भारत को स्वामी विवेकानंद द्वारा बताए गए राष्ट्रवाद के सिद्धांत को अपनाना होगा।' यह बातें राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉअभय सिंह ने . कहीं। वह महाविद्यालय के संगोष्ठी कक्ष में बाबू धनंजय सिंह स्मृति आंतरिक व्याख्यानमाला के अंतर्गत 'स्वामी विवेकानंद का राष्ट्रवाद' विषय पर आयोजित संगोष्ठी को बतौर मुख्य वक्ता सम्बोधित कर रहे थे।

पंद्रह वर्षों में भारत नैनो तकनीक में नम्बर एक होगा

विज्ञान संकाय का आयोजन

नैनो तकनीक के कारण विज्ञान के पारम्परिक सिद्धांतों और सूत्रों में बदलाव हो रहा है । अधिकतम पंद्रह वर्षों में भारत नैनो तकनीक में विश्व में नम्बर एक होगा ।' यह बातें जर्मन सरकार के विज्ञान सलाहकार व बर्लिन के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अजय विक्रम सिंह ने कहीं।

हम जितना संघर्षशील होंगे आत्महत्या हमसे उतनी ही दूर होगी

समाजशास्त्र विभाग का आयोजन

अपनी सामर्थ्य पहचान कर आत्मविश्वास बनाए रखें , काम के प्रति पूर्ण समर्पित रहें सकारात्मक सोचें , परिवार व समाज से जुड़े तथा स्वयं के लिए समय निकालें तो आत्महत्या से बचा जा सकता है। हम जितना संघर्षशील होंगे आत्महत्या हमसे उतनी ही दूर होगी ।'यह बातें राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य व समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एम पी सिंह ने कहीं।

Research

स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पब्लिशिंग हाउस से हुआ अनुबंध

Springer

विश्व प्रसिद्ध पब्लिशिंग हाउस 'स्प्रिंगर नेचर', सिंगापुर के साथ भूगोल विषय की दो पुस्तकों के प्रकाशन के लिए अक्टूबर माह में अनुबंध किया गया। यह अनुबंध 'Geographical Dimensions of Environmental Sustainability' एवं 'Humanities and Sustainability from Global Perspectives Towards Future Earth' के नाम से पुस्तकों के प्रकाशन के लिए किया गया है।अनुबंध पत्र पर स्प्रिंगर नेचर के पक्ष से विलियम अचौएर (निदेशक) एवं अनिल चांडी (प्रबंध निदेशक) ने हस्ताक्षर किया है, जबकि दूसरे पक्ष से उक्त दोनों पुस्तकों के संपादक ,राणा प्रताप पी0जी0 कॉलेज सुलतानपुर के प्राचार्य प्रो0 दिनेश कुमार त्रिपाठी , भूगोल विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के डॉ0 मनीष कुमार, दिल्ली स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ0 पंकज कुमार एवं प्रो0 सुभाष आनंद स्पेशल सेंटर फॉर नेशनल सिक्योरिटी स्टडीज,जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के डॉ0 नरेश कुमार वर्मा के द्वारा हस्ताक्षर किया गया। 'Geographical Dimensions of Environmental Sustainability' पुस्तक में विश्व स्तरीय पर्यावरणीय शाश्वतता के भौगोलिक आयाम से संबंधित शोध कार्यों का प्रकाशन किया जाएगा। दूसरी पुस्तक 'Humanities and Sustainability from Global Perspectives Towards Future Earth' में पृथ्वी के सुरक्षित भविष्य हेतु भूमंडलीय परिदृश्य में मानविकी एवं शाश्वतता के अंतरसंबंधों से जुड़े शोध कार्यों को समाहित किया जाएगा।

Research Conducted to Protect Forests from Fire in The Indian Western Himalaya

Research work was carried out using remote sensing and GIS technology for protection from forest fire disaster in the Western Himalayas of India. This research work was conducted in three Himalayan states of India – Jammu Kashmir, Himachal Pradesh and Uttarakhand. Prof. Dinesh Kumar Tripathi, Principal Rana Pratap PG College, Sultanpur and eminent scholars from Central University of Haryana, Delhi School of Economics, Delhi University, Jawaharlal Nehru University and Hokkaido University, Japan contributed in completing this collaborative research. The world's reputed Journal of Japan 'Remote Sensing' (MDPI) published this research work with the title of "Integrated Spatial Analysis of Forest Fire Susceptibility in the Indian Western Himalayas (IWH) Using Remote Sensing and GIS-Based Fuzzy AHP Approach". It is noteworthy that 'Remote Sensing' is a Geosciences/Multidisciplinary Journal which registered in the world-famous database Scopus, SCIE (Web of Science) and currently has an impact factor of 5.0 (Thomson Reuters, 2022). According to the Journal Citation Report, it is a Q1 category journal with an index of 7.9.

This research model may help lower losses and the frequency of forest fires by informing prevention efforts effectively. The major objective of this study was to assess the district level forest fire susceptibility in the states of Jammu and Kashmir, Himachal Pradesh, and Uttarakhand by using a GIS-based fuzzy analytic hierarchy process technique. Seventeen physiographic, meteorological, and anthropogenic indicators that have a significant impact on the region's susceptibility to fire were chosen for the vulnerability assessment. Based on a forest type-specific investigation, tropical wet deciduous forests were shown to be very susceptible to forest fires, with 86.85% of their total area showing extremely high sensitivity.

Susceptibility was determined to be high in sixteen districts and very high in seventeen districts at the district level, which accounts for 25.7% and 22.6% of the research region's total area, respectively. Particularly, Lahul and Spiti had 63.9% of their total area designated as having very low susceptibility, making it the district least vulnerable to forest fires, while Udham Singh Nagar had a high vulnerability with approximately 86% of its area classified as having very high susceptibility. Incorporating the results of this research into sustainable development planning will assist in devising a holistic strategy that harmonizes environmental conservation, community safety, and economic advancement. This approach can empower decision makers and relevant stakeholders to take more proactive and informed actions, promoting resilience and enhancing long-term well-being. The college's management committee members and teachers expressed their gratitude to Principal Prof. Dinesh Kumar Tripathi for his participation in this significant national level research work.

Article

शुभ-लाभ का उजास

डॉ संतोष कुमार सिंह (अंश)

दीपावली पर्व पर यह याद रखें कि हमारी परंपरा शुभ-लाभ कहने की है। यानी लाभ के पहले शुभ को महत्व दिया गया है। दिवाली के पवित्र अवसर पर हम सभी सुख और समृद्धि की कामना करेंगे। अंधकार के विरुद्ध अनवरत संघर्ष के प्रतीक-स्वरूप करोड़ों दीपक जलाए जाएंगे। खुशहाली और रोशनी दोनों की नई उम्मीदों के बीच ये दिवाली आई है। राजनीतिक परिवर्तन से देश में नया वातावरण है, जिससे बाजारों की चमक बढ़ी है। वहां फिर से धन लौटा है, तो आशा बंधी है कि उससे और अधिक धन निर्मित होगा, जिससे देश अभाव को जीतने की तरफ तेजी से अग्रसर होगा। दीपावली पर हम सभी गणेश और लक्ष्मी का पूजन करेंगे तो यही प्रार्थना होनी चाहिए कि समृद्धि सभी दरवाजों तक पहुंचे, जिससे सबका अभाव दूर हो। हमारी प्राचीन सभ्यता ने गणेश और लक्ष्मी के साथ-साथ पूजन की अद्भुत परिकल्पना की। गणेश विवेक के प्रतीक हैं, तो लक्ष्मी समृद्धि की देवी हैं। दोनों की एक साथ आराधना में गूढ़ संदेश निहित है। समृद्धि संपन्न्ता के लिए आवश्यक है। परंतु धन-दौलत की चाहत में हम अंधे हो गए, तो सुख हमसे दूर ही रहता है। इसीलिए हम गणेश की पूजा करते हैं, ताकि हमारी बुद्धि जागृत रहे। दीपावली पर हम प्रकाश को दूर-दूर तक फैलाने का प्रयास करते हैं। संभवतः इस संदेश को आगे बढ़ाने के लिए कि हम सिर्फ अपनी खुशहाली से संतुष्ट न हो जाएं। बल्कि मानव कल्याण के प्रति अपने दायित्व को लेकर जागरूक रहें। धन की सार्थकता तभी है, जब उसका उपयोग वृहत्तर उद्देश्यों के लिए हो। हमारे धर्मग्रंथों ने सिखाया है कि धन की विवेकपूर्ण चाहत एवं उसका उपयोग शांति एवं प्रसन्नता की तरफ ले जाता है। जबकि विवेक खो जाए, तो फिर वही चाहत अंधी होड़ में तब्दील हो जाती है, जो चारित्रिक पतन और सामाजिक विनाश का कारण बनती है।इसीलिए इस दीपवाली पर अपने-अपने घरों में जब हम पूजा करें, तो अपने आराध्य से भौतिक सुखों के साथ-साथ संयम और संतुलित अंतर्दृष्टि की याचना भी हमें अवश्य करना चाहिए। यह दृष्टि अपने देश की मार्गदर्शक बने, तो हम अपने संसाधनों के न्यायपूर्ण बंटवारे की कला जरूर सीख लेंगे, जिसकी आज के दौर में अत्यधिक आवश्यकता है। भारत भूमि, यहां की प्रतिभाएं और हमारी उद्यम भावना धन उत्पन्न् करने में पूर्ण सक्षम हैं। इसके लिए जो अनुकूल अवसर चाहिए, वह आज हमारे क्षितिज पर हैं। हमें सुनिश्चित केवल यह करना है कि अपने श्रम और कौशल से हम जो कुछ अर्जित करें, उसका सभी देशवासियों में उचित वितरण करने की उदारता हम में आए।हमें याद रखना चाहिए कि हमारी परंपरा शुभ-लाभ कहने की है। यानी लाभ के पहले शुभ को महत्व दिया गया। दरअसल, लाभ का उद्देश्य ही शुभ है। यह बुद्धि भारतीय समाज में बनी रहे, हमें इसकी प्रार्थना करनी है। दीपवाली पर दीये जलाइए, आतिशबाजी भी कीजिए, किंतु अपने अंतर्मन को प्रकाशित करने के दिवाली में अंतर्निहित संदेशों को विस्मृत न होने दीजिए। ये संदेश ही दीपावली का अर्थ है और उसका उद्देश्य भी। तो आइए, हम सबके शुभ-लाभ की कामना करें।

GLIMPSE OF COLLEGE